



Aakarsh sharma



Ms. Ayushi

Model: Love-Horoscope

Order No: 121574201

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14-15/03/1996 :	जन्म तिथि	: 10-11/01/1996
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: बुध-गुरुवार
घंटे 04:30:00 :	जन्म समय	: 01:05:00 घंटे
घटी 55:53:50 :	जन्म समय(घटी)	: 45:48:32 घटी
India :	देश	: India
Varanasi :	स्थान	: Varanasi
25:20:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00 :	स्थानिक संस्कार	: 00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:08:28 :	सूर्योदय	: 06:45:35
18:06:16 :	सूर्यास्त	: 17:25:04
23:48:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:13
मकर :	लग्न	: तुला
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मकर :	राशि	: सिंह
शनि :	राशि-स्वामी	: सूर्य
उत्तराषाढा :	नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
2 :	चरण	: 3
परिघ :	योग	: सौभाग्य
विष्टि :	करण	: तैतिल
भो-भोजराज :	जन्म नामाक्षर	: टी-टीना
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
वैश्य :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: वनचर
नकुल :	योनि	: मूषक
मनुष्य :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 2मा 21दि
राहु

05/06/2017

06/06/2035

राहु	16/02/2020
गुरु	12/07/2022
शनि	18/05/2025
बुध	05/12/2027
केतु	23/12/2028
शुक्र	23/12/2031
सूर्य	16/11/2032
चन्द्र	18/05/2034
मंगल	06/06/2035

अंश

27:42:18
00:50:34
00:36:41
28:37:50
18:47:27
20:05:01
15:57:18
03:18:55
23:30:43
23:30:43
09:34:22
03:23:22
09:17:10

राशि

मक
मीन
मक
कुंभ
कुंभ
धनु
मेष
मीन
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

तुला
धनु
सिंह
मक
मक
धनु
कुंभ
कुंभ
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

08:47:46
26:02:20
20:28:59
08:02:37
11:17:12
07:52:56
00:51:31
26:19:14
27:51:50
27:51:50
06:06:35
01:14:34
08:27:16

विंशोत्तरी

शुक्र 9वर्ष 3मा 9दि
मंगल

20/04/2021

20/04/2028

मंगल	17/09/2021
राहु	05/10/2022
गुरु	11/09/2023
शनि	20/10/2024
बुध	17/10/2025
केतु	15/03/2026
शुक्र	15/05/2027
सूर्य	20/09/2027
चन्द्र	20/04/2028

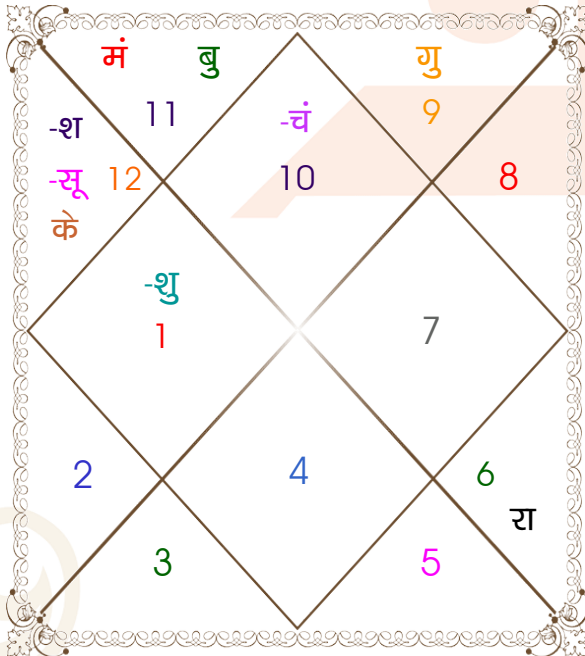
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

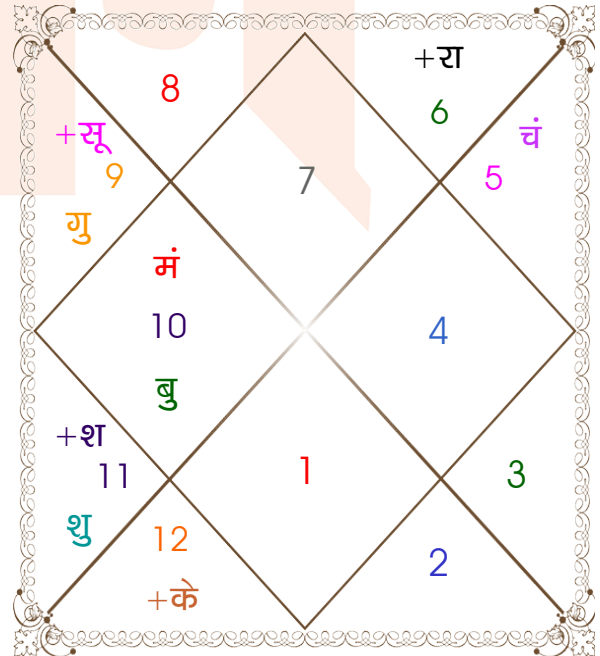
राहु : स्पष्ट

23:48:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:13

लग्न-चलित



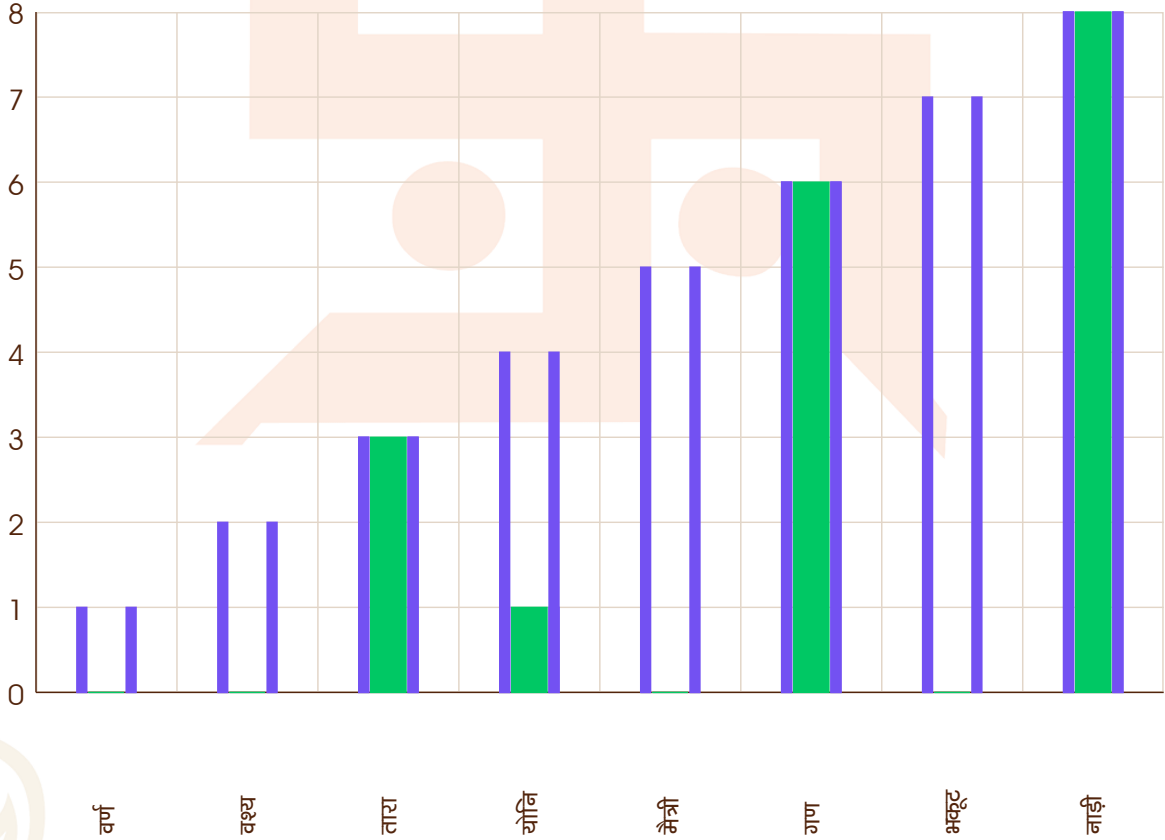
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : 18 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Aakarsh sharma का वर्ग मूषक है तथा Ms. Ayushi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aakarsh sharma और Ms. Ayushi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Aakarsh sharma मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. Ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Ayushi कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Aakarsh sharma कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aakarsh sharma तथा Ms. Ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aakarsh sharma का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Ayushi का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms. Ayushi का वर्ण Aakarsh sharma के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms. Ayushi अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms. Ayushi को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Aakarsh sharma का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Ms. Ayushi का वश्य वनचर अर्थात् सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि Aakarsh sharma चतुष्पद एवं Ms. Ayushi वनचर हो तो Ms. Ayushi समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप Ms. Ayushi Aakarsh sharma पर कभी-कभी हावी रहेगी जो Aakarsh sharma एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। Ms. Ayushi का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा Ms. Ayushi के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

Aakarsh sharma की तारा सम्पत तथा Ms. Ayushi की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Aakarsh sharma एवं Ms. Ayushi दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. Ayushi एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Aakarsh sharma की योनि नकुल है तथा Ms. Ayushi की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की

कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व क्लेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aakarsh sharma एवं Ms. Ayushi दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Aakarsh sharma एवं Ms. Ayushi के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Aakarsh sharma दवं Ms. Ayushi को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Aakarsh sharma का गण मनुष्य तथा Ms. Ayushi का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Aakarsh sharma से Ms. Ayushi की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms. Ayushi से Aakarsh sharma की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Aakarsh sharma एवं Ms. Ayushi दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभाव के होंगे। Aakarsh sharma शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms. Ayushi बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Aakarsh sharma की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Ayushi की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Aakarsh sharma की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms. Ayushi की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। भूमि तथा अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Aakarsh sharma और Ms. Ayushi में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन समस्याओं से पूर्ण रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Aakarsh sharma की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा Ms. Ayushi की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Aakarsh sharma और Ms. Ayushi के परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा मतभेद एवं विरोध के भाव रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव होगा तथा सुख दुःख में एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टिकोण रहेगा एवं अपने को एक दूसरे से श्रेष्ठ समझेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में आनन्दानुभूति की न्यूनता रहेगी।

Aakarsh sharma और Ms. Ayushi की राशियां परस्पर अष्टम तथा षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल मकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा आपस में विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे एवं आपस में दुर्भावना भी दृष्टिगोचर होगी। अतः ऐसी प्रवृत्तियों की सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए उपेक्षा करनी चाहिए।

Aakarsh sharma का वश्य जलचर तथा Ms. Ayushi का वश्य वनचर है। अतः दोनों वश्यों में नैसर्गिक असमानता के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अन्तर रहेगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे। अतः ऐसे मिलान में विवाह की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

Aakarsh sharma का वर्ण वैश्य तथा Ms. Ayushi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Aakarsh sharma की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे लेकिन Ms. Ayushi पराकमी तथा साहसिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Aakarsh sharma की तारा सम्पत तथा Ms. Ayushi की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Aakarsh sharma सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms. Ayushi के भाग्य से उनकी धन सम्पत्ति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Aakarsh sharma और Ms. Ayushi को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms. Ayushi का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Aakarsh sharma की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. Ayushi की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Aakarsh sharma का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी Aakarsh sharma पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए Aakarsh sharma को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी Aakarsh sharma के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Aakarsh sharma और Ms. Ayushi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Aakarsh sharma और Ms. Ayushi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Ayushi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Ayushi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Ayushi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Aakarsh sharma और Ms. Ayushi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aakarsh sharma और Ms. Ayushi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Ayushi के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य

जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. Ayushi अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. Ayushi पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. Ayushi अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Aakarsh sharma तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Aakarsh sharma के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Aakarsh sharma को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Aakarsh sharma के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Aakarsh sharma के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Aakarsh sharma

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कन्या राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि संयोजनों से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप पर्याप्त साधन संग्रह करने के मामले में बहुत बड़े भाग्यशाली प्राणी हैं। परंतु आपके लिए यह निर्देश अत्यंत ग्राह्यनीय है कि आपकी मनोवृत्ति यह हो सकता है कि शीघ्रतापूर्वक धनी बनने के लिए जूआ, सट्टा आदि खेल कर सफलता पूर्वक धनवान बन सकता हूं। परंतु उत्तम तो यह है कि आप अपनी इस मनोवृत्ति को इस भावना के प्रति मोड़ दे। तथापि आप यदा-कदा लाटरी का टिकट खरीद कर कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आप किसी भी विषय को सुदृढ़तापूर्वक समझ जाते हैं। आप अपने लक्ष्य को निर्देश अनुसार प्रेरित होकर किसी भी कार्य कलाप के पीछे साहस पूर्वक दृढ़ संकल्पित होकर संलग्न हो जाते हैं। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप स्पष्ट रूप से विचार कर के अपनी कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं तथा किसी भी प्रकार की भूमिका की सफलता प्राप्ति हेतु छलांग लगाकर प्रयास नहीं करते हैं।

आप सपत्नीक किसी कार्य को विवेकपूर्वक करके अपने कार्य-कलाप की सफलता प्राप्ति हेतु सक्षम हैं। आप अपने जीवन के उत्तम समयावधि में सुमधुर समय पर सावधानी पूर्वक लाभांशित हो सकते हैं। जब आपकी आयु 15 वें वर्ष से 23 वर्ष के मध्य एवं 29 वें वर्ष तक की होगी। वह समय आपके लिए भाग्यशाली प्रमाणित होगा।

इन तीन वर्षों के अंतर्गत आप अपनी संतुष्टि हेतु किसी प्रकार का अनैतिक एवं दुःसाहसिक कार्य न करें। आप इस समय सहजता पूर्वक सुखी एवं संतुष्ट हो जाएंगे।

आप अपने लिए कार्य व्यवसायों में जनरलिस्ट एवं संचार मिडिया का कार्य धर्म एवं दर्शन के कार्य, पुलिस, प्रतिरक्षा की सेवा, खनिज व्यवसाय, चर्मोद्योग कृषि कार्य एवं सामान्य औद्योगिक प्रतिष्ठान की स्थापना आदि कार्यों में से अपनी इच्छानुसार किसी भी कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

आपमें विद्वेष एवं उच्चाकांक्षा रहती है, जो क्षणिक कार्यकलाप का घोटक है। आप अपने परिवार से अत्यधिक संबद्ध रहने वाले प्राणी हैं। आप अपनी पत्नी एवं बच्चों के प्रति श्रद्धावान होंगे।

उन लोगों की मनोवृत्ति आपसे अधिक आदान-प्रदान करने की रहती है, वे अधिक मात्रा में आपसे अपेक्षा करते हैं। इन बातों को आप महसूस करते हैं। सामान्यतः आप अपने पिता (अभिभावक) भाई एवं बहनों के प्रति बहुत स्नेहशील रहने वाले व्यक्ति होंगे।

आपको अपने जीवन में संगीत कला अर्थात् गायन-वादन से युक्त रहना एक अच्छा आनंददायक माहौल रहेगा। आपके बहुत मित्रगण होंगे, जो आपके साथ अपना आनंददायक समय व्यतीत करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु अधिक उम्र में ऐसे अवसर आ सकते हैं। जिस समय आपको हृदय संबंधी समस्याएं मूर्छा (बेहोशी) लगातार कफ-सर्दी, जुकाम आदि रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप समय-समय पर चिकित्सक से जांच-पड़ताल कराते रहें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उत्तम है। परंतु आपके लिए क्रीम एवं पीला रंग अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं निर्भरात्मक अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। जबकि आपके लिए अंक 3 सर्वथा त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन शुभ दर्शनीय एवं महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए अनुपयुक्त है।

Ms. Ayushi

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृत्ति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उद्देश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपत्ति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपको सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृत्ति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिनत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी हैं। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।

अंक ज्योतिष फल

Aakarsh sharma

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होगा। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाले, जनता के मध्य लोकप्रिय व्यक्ति होंगे। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा। आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगे। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी।

सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगे। परोपकार में हिचकेंगे नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगे। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगे। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी। आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगे। एकाध असफलताएँ भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुंचेंगे एवं घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगे।

Ms. Ayushi

आपका जन्म दिनांक 11 है। एक एवं एक का जोड़ दो आपका मूलांक है। एक का स्वामी सूर्य एवं दो स्वामी चन्द्र है। इन दोनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके व्यक्तित्व में रहेंगे। आप अनुशासन पसन्द महिला होंगी एवं अपने नाम पर धब्बा नहीं लगायेंगी। समाज में आपकी इज्जत होगी। नाम एवं यश प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रभाव से नियमितता रहेगी। चन्द्र प्रभाव कभी-कभी मनको चंचल भी करेगा उससे बचना हितकर रहेगा अन्यथा सफलता के स्थान पर कई बार चन्द्र प्रभाव असफलता भी दे देगा। संघर्ष करना आपकी आदत बन जायेगी। अतः कभी आप एकदम उच्चता प्राप्त करेंगी तो कभी आपको थोड़ा झुकना भी पड़ेगा।

बौद्धिक स्तर आपका अच्छा रहेगा एवं ऐसे कार्य जिनमें बुद्धि का प्रयोग अधिक होता हो आपके लिये शुभ रहेगा। असफलताओं से आप निराश नहीं होंगी, क्षीण तो होंगी फिर भी हिम्मत नहीं हारेंगी और एक दिन फिर सूर्य की तरह प्रकाशित होंगी।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं क्रोध भी शीघ्र आ जाया करेगा। इन अवगुणों से बचना आपके लिये हितकर रहेगा। आपको ऐसे क्षेत्रों का चुनाव करना हितकर रहेगा, जहाँ अत्यधिक परिवर्तनशीलता न हो। सामान्य कामकाज जिन क्षेत्रों में रहे, वह आपके लिये शुभ रहेंगे। विशेष कर बुद्धि विवेक के कार्य अधिक योगप्रद रहेंगे।

Aakarsh sharma

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Ms. Ayushi

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठट्ठाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।